तापमान में मामूली गिरावट, गर्मी बरकरार

रहवासी क्षेत्र में नाली की सफाई करते हुए निगम के सफाई कामगार। • नईदुनिया

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। जिले में लगातार तीन दिन तापमान में वृद्धि के बाद रविवार को मामूली गिरावट आई, लेकिन सूरज की तेजी बरकरार रही। गर्मी से लोगों के हाल बेहाल होते रहे। घर-दफ्तरों में पंखे-कूलर से भी राहत नहीं मिली।

अधिकतम तापमान 39.2 व न्यूनतम 24.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार की तुलना में रविवार को न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 0.4-0.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। इसके बाद भी दिनभर सूरज की तेजी बनी हुई। सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों को तरह-तरह के जतन करना पड़े। सुबह की आर्द्रता 76 व शाम की 32 प्रतिशत रही, जो शनिवार को क्रमशः 83 व 55 प्रतिशत थी।

नालों की सफाई जारी

वर्षाकाल के पहले शहर के नाले-नालियों की सफाई का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा पेपर मिल के पास गुलमोहर कालोनी, गोमदड़े की पुल, भराव की कुई, बोहरा बाखल व ईश्वर नगर नाले की सफाई का कार्य स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह के निर्देशन में किया गया। सफाई उपरांत नालों व नालियों में फेनोलिक व ब्लीचिंग कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया।

एक नजर तापमान की चाल पर

तारीख	अधिकतम	न्यूनतम
23 मई	39.2	24.2
22 मई	39.6	24.6
21 मई	38.2	23.0
20 मई	36.2	21.5
19 मई	31.2	22.6
18 मई	30.2	23.2
17 मई	34.2	24.2

कोरोना से मुक्ति लिए हवन-पूजन

जावद। नगर में कोरोना से मुक्ति लिए बालाजी मंदिर में हवन-पूजन किया गया। कुंडला बालाजी मंदिर पर सुन्दरकांड का पाठ कर बालाजी महाराज से कोरोना से मुक्ति की प्रार्थनाएं की गईं। शनिवार को कोरोना महामारी से लड़ने के लिए कांग्रेसजनों ने सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया।

नईदुनिया 24/5/21

राजस्व कॉलोनी सैनिटाइज्ड करवाने के लिए लिखा पत्र

भास्कर संवाददाता | रतलाम

कोरोना काल में राजस्व कॉलोनी में जनहानि ज्यादा हुई है। वर्तमान समय में भी कॉलोनी में कोरोना पॉजिटिव मरीज हैं। ऐसे में इस कॉलोनी को सैनिटाइज्ड करवाया जाए। यह मांग राजस्व कर्मचारी गृह निर्माण समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा, उपाध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौड़ ने जिला प्रशासन को पत्र लिखकर की।

पत्र के माध्यम से उन्होंने बताया महामारी के प्रभाव से ग्रस्त कॉलोनी का संपूर्ण सैनिटाइजर किया जाए व नालियों की साफ सफाई नियमित की जाए जिससे रहवासियों को सुकून और राहत मिल सके। महामारी से उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है।

पूर्व में भी नगर निगम प्रशासन को कई बार समिति द्वारा आग्रह करने के बाद भी आज तक सुध लेने वाला नहीं है। क्षेत्र के बीएस परिहार, बी एस सैन, अशोक पंड्या, शांतिलाल शर्मा, विनोद दुबे, अंशुल जोशी, बबलू परमार, शैलेंद्र सिंह सोलंकी सहित अन्य ने जनहित में पूरी कॉलोनी में शीघ्र साफ-सफाई व सैनिटाइजर करने की मांग की है।

स्वास्थ्य

मेडिकल कॉलेज से 31 लोग ठीक हो घर पहुंचे, 21 भर्ती

भास्कर संवाददाता | रतलाम

मेडिकल कॉलेज में कुछ दिन पहले तक जहां मरीजों की कतार थी, अब बेड खाली होने लगे हैं। रविवार को कॉलेज में 115 ऑक्सीजन बेड खाली थे, 31 लोग ठीक होकर घर पहुंचे, वहीं, 21 नए भर्ती हो गए।

डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया मेडिकल कॉलेज में कुल 550 बेड है, इसमें से 245 बेड अभी खाली है। हालांकि, आइसीयू के हालत अभी नहीं सुधरे है, आइसीयू के सभी 56 बेड फुल हैं। वहीं, एचडीयू में 172 बेड में से 152 पर मरीज भर्ती है, ऑक्सीजन बेड 180 है, इनमें 85 पर मरीज भर्ती है। नॉन ऑक्सीजन बेड 142 है, इसमें से 12 पर मरीज भर्ती है। कॉलेज में कुल 305 मरीजों का इलाज हो रहा है। इनमें 229 पॉजीटिव हैं। 94 रेमडेसिविर इंजेक्शन अभी बचे हैं।

दै. भास्कर
24/5/21

लाकडाउन का उल्लंघन करना पड़ा महंगा, 107 को भेजा जेल

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना कर्फ्यू का उल्लंघन करना महंगा पड़ रहा है तथा उन्हें खुली जेल की यात्रा करना पड़ रही है। पिछले 24 घंटे में लाकडाउन का उल्लंघन करने पर पुलिस ने 107 लोगों को पकड़ा और उन्हें अस्थायी जेल भेज दिया। पुलिस ने बगैर मास्क के घूमते 144 लोगों से शमन शुल्क वसूलकर मास्क वितरित किए। 87 वाहनों को जब्त किया गया, जिनका निराकरण 15 जून के बाद न्यायालय से होगा।

- लाकडाउन में दुकान खोलने पर सात दुकानदारों के खिलाफ तथा कंटेनमेंट तोड़ने पर तीन आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज गए। सैलाना पुलिस ने इलेक्ट्रानिक्स दुकान के व्यवसायी विक्रम पुत्र दशरथ पाटीदार, हार्डवेयर दुकान के संचालक हुसैन पुत्र मुझ्बल अली व सैफुद्दीन पुत्र हसन अली, गारमेंट दुकान संचालक श्यामदास पुत्र कृष्णदास तथा जनरल स्टोर संचालक मुर्तुजा तथा माणकचौक पुलिस ने मटन बेचने पर सिंगीपुरा निवासी नाहरू पुत्र सलीम कुरैशी व मुन्ना पुत्र बाबू कुरैशी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। कंटेनमेंट तोड़ने पर कस्तूरबा नगर गली नंबर-पांच निवासी अनिल अग्रवाल तथा बिलपांक में कंटेनमेंट तोड़ने व स्टीगर निकालने पर लक्ष्मी पत्नी ओमप्रकाश पाटीदार, ईश्वरलाल पुत्र अंबाराम जाट के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

नईदुनिया

निरंतर को पहल…

नईदुनिया
24/5/2021

'किल कोरोना-3' अभियान के तहत 8 स्थानों पर कोविड सहायता केन्द्र का संचालन

रतलाम। शासन निर्देशानुसार कोविड-19 के परिदृश्य को दृष्टिगत रखते हुए 'किल कोरोना-3' अभियान के तहत रतलाम नगर निगम सीमा क्षेत्र में 8 स्थानों पर कोविड सहायता केन्द्र का संचालन किया गया है जिसमें नगर निगम अधिकारी/कर्मचारी, मेडिकल ऑफिसर, आंगनवाड़ी सुपरवाईजर, स्टॉफ नर्स, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नियुक्ति की गई है।

'किल कोरोना-3' अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 33, 34, 35, 36 व 31 हेतु टीआईटी रोड डिस्पेंसरी, वार्ड क्रमांक 30, 31 व 32 हेतु जावरा रोड प्राथमिक स्कूल डी मार्ट रोड, वार्ड क्रमांक 27, 28 व 29 हेतु दिलीप नगर डिस्पेंसरी, वार्ड क्रमांक 20, 21, 22, 23, 24, 25, 44 व 45 हेतु मोती नगर प्राथमिक स्कूल, वार्ड क्रमांक 26, 37, 38, 39, 40, 41, 42 व 43 हेतु हाकिम वाड़ा डिस्पेंसरी, वार्ड क्रमांक 15, 16, 17, 18, 19, 46, 47, 48 व 49 हेतु सुभाष नगर कम्युनिटी हॉल, वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7 व 8 अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गणेश नगर व वार्ड क्रमांक 9, 10, 11, 12, 13 व 14 हेतु रेडक्रास भवन बिरियाखेड़ी मेन रोड पर कोविड सहायता केन्द्र का संचालन किया गया है। उक्त केन्द्रो पर नियुक्त नगर निगम अधिकारी एवं कर्मचारियों हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने कार्यपालन यंत्री जी.के. जायसवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इसके अलावा कोविड सहायता केन्द्र पर नियुक्त मेडिकल ऑफिसर, आंगनवाड़ी सुपरवाईजर, स्टॉफ नर्स, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हेतु नईम मोहम्मद खान प्रभारी ए.पी.एम. मो. नं. 9685330094 व लोकेश वैष्णव प्रभारी बी.ई.ई. मो. नं. 7999606919 को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

किसी भी प्रकार बुखार तथा बुखार के साथ कोई अन्य लक्षण जैसे की बुखार के साथ सर्दी-खाँसी, सांस लेने में तकलीफ, गले में खराश, कमजोरी, चक्कर, दस्त, गंध अथवा स्वाद कम होने पर नागरिक अपने नजदीकी कोविड सहायता केन्द्र पर संपर्क करें।

इन्दौर समाचार

युद्ध स्तर पर चल रहा है नाले-नालियों की सफाई का कार्य

रतलाम। वर्षा ऋतु के पूर्व नगर के समस्त नाले-नालियों की सफाई करवाये का कार्य निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा दिये गये निर्देश के तहत निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है साथ ही नालो की सफाई उपरान्त कीटनाशक दवा का छिड़काव भी किया जा रहा है। निगम आयुक्त झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा पेपर मिल के पास गुलमोहर कॉलोनी, गोमदड़े की पुल, भरावा की कुई, बोहरा बाखल व ईश्वर नगर नाले की सफाई का कार्य स्वास्थ्य अधिकारी श्री ए.पी. सिंह के निर्देशन में किया गया व सफाई उपरान्त नालों व नालियो में केरोसिन व ब्लीचिंग कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया।

इन्दौर समाचार
24/5/21

यहां हारा कोरोना: बीते डेढ़ माह से अमृत सागर कॉलोनी में एक भी नया केस नहीं आया सामने

कस्तूरबा नगर में कोरोना संक्रमण 'आजाद' अमृत सागर कॉलोनी में एक भी नया केस नहीं

पत्रिका डे-स्पेशल मंडे मेगा स्टोरी

रतलाम. (सौरभ पाठक) कोरोना संक्रमण के इस दौर में शहर में दो अलग तस्वीर नजर आ रही है। एक तस्वीर ऐसी जहां हर दिन कोरोना के नए मामले सामने आ रहे हैं तो दूसरी ऐसी है, जहां बीते डेढ़ माह के दौरान एक भी नया केस सामने नहीं आया। क्षेत्र के लोगों ने स्वयं को और अपने परिवार को पूरी तरह से कोरोना से सुरक्षित रखा है। यही कारण है कि एक और जहां पूरा शहर कोरोना की गिरफ्त में है दो दूसरी ओर शहर का यह हिस्सा कोरोना से मुक्त है।

अमृतसागर कॉलोनी: सतर्कता और सावधानी के दम पर आज वह कोरोना संक्रमण से मुक्त

क्षेत्रवासियों में जागरुकता की कमी नहीं

जी हां कोरोना से मुक्त शहर के जिस हिस्से कि हम बात कर रहे हैं, लोग अमृत सागर कॉलोनी के नाम से जानते हैं। शहर के एक दूसरे छोर पर बसी इस कॉलोनी में हजारों लोग निवास करते हैं लेकिन सतर्कता और सावधानी के दम पर कोरोना से दूर हैं। बीते डेढ़ माह से इस कॉलोनी में कोई भी व्यक्ति कोरोना की चपेट में नहीं आया है। यह बात हम नहीं बल्कि स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े कह रहे हैं। इसके पीछे कारण क्षेत्र के लोगों में जागरुकता का होना बताया जा रहा है।

बिना काम नहीं निकलते घर से

शहर की अमृत सागर कॉलोनी में वैसे तो अधिकांश मध्यम वर्गीय परिवार रहते हैं। यहां के रहवासियों की माने तो बिना किसी काम की कोई भी व्यक्ति घर के बाहर नहीं निकलता है और यदि कोई बाहर जाता भी है तो मुंह पर मास्क लगाने के साथ ही 2 गज की दूरी का भी पालन करता है। उक्त क्षेत्र में बाहर के लोगों की आवाजाही भी बहुत कम है। स्थानीय लोग भी बाहर से आने के बाद हाथों को सैनिटाइज करते हैं जिसके चलते यहां के लोग अब पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

काम होने पर निकलते बाहर

बहुत जरूरी कोई काम होने पर ही क्षेत्र के रहवासी बाहर निकलते हैं। शहर के दूसरे छोर पर कॉलोनी होने से लोगों की आवाजाही भी कम है। यहां पर काफी लोगों की आवाजाही रहती है क्योंकि पास में ही बस स्टैंड है जिसके चलते आदिवासी अंचल से आने और जाने वाले लोगों की यहां पर भीड़ लगी रहती है। **धीरजसिंह मूंबड़ा**, रहवासी अमृत सागर कॉलोनी

कस्तूरबा नगर: बाहरी लोगों की आवाजाही अधिक होने से क्षेत्र में संक्रमण का असर

शहर में सबसे ज्यादा मरीज यदि किसी क्षेत्र में निकल रहे हैं तो वह कस्तूरबा नगर है। यहां पर लगभग हर दिन कोई न कोई मरीज सामने आ कर रहा है। शहर की सबसे बड़ी कॉलोनी में शामिल कस्तूरबा नगर क्षेत्र में लोगों की आवाजाही अधिक होने के कारण यहां पर संक्रमण फैला हुआ है। संक्रमण फैलने की दूसरी वजह इससे सटे क्षेत्र में निजी अस्पतालों का होना भी है, जहां हर दिन कोविड-19 मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। चित्र के लोगों की लापरवाही और बाहरी लोगों की आवाजाही अधिक होने से यहां पर बीमारों की संख्या अधिक है।

हर दिन निकल रहे मरीज

कस्तूरबा नगर क्षेत्र में हर दिन किसी ना किसी गली और मोहल्ले में नए मरीज की बात सामने आती है। दरअसल जनसंख्या की दृष्टि से यह कॉलोनी काफी बड़ी है और पूरे क्षेत्र में लोगों की आवाजाही अधिक होती है, इसे ही संक्रमण फैलने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। लोगों के द्वारा लापरवाही बरते जाने और समय पर उपचार के लिए नहीं पहुंचना भी प्रमुख कारण बता रहे हैं। किल कोरोना तहत घर-घर दस्तक देकर विभाग की टीम बीमारों की जानकारी जुटा रही है और उन्हें दवा उपलब्ध कराने में लगी है।

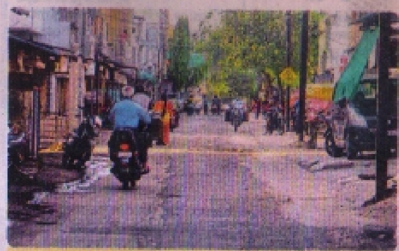

दिनभर लगी रहती आवाजाही

शहर के पटरी पार इलाके में नया रतलाम बसता है, इसमें भी कस्तूरबा नगर क्षेत्र काफी बड़ा होने से यहां पर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। लोगों को समझना होगा कि अनावश्यक घर से बाहर ना निकले और यदि किसी काम से जाएं भी तो अपनी और परिवार की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें।

सुमित जैन, रहवासी कस्तूरबा नगर

पत्रिका 24/5/2

पौधा लगाएँ, फोटो अपलोड करें और मुख्यमंत्री से अवार्ड पाएं

जन-सहभागिता से वृक्षारोपण के लिए अंकुर कार्यक्रम : मुख्यमंत्री श्री चौहान

रतलाम। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि जन-जन के सहयोग से प्रदेश के हरित क्षेत्र में वृद्धि कर पर्यावरण को स्वच्छ और प्रकृति को प्राणवायु से समृद्ध करने के उद्देश्य से अंकुर कार्यक्रम आरंभ किया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण के लिए जन-सामान्य को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पौधा लगाने वाले चयनित विजेताओं को प्राणवायु अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा।

कार्यक्रम में भाग लेने की प्रक्रिया- कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गूगल प्ले-स्टोर से "वायुदूत एप" डाउनलोड कर पंजीयन करना होगा। कार्यक्रम में भाग लेने वाले व्यक्ति को स्वयं के संसाधन से कम से कम एक पौधा लगाकर, पौधे की फोटो एप के माध्यम से लेकर अपलोड करनी होगी। पौधा लगाने के तीस दिन बाद फिर से पौधे की नई फोटो एप पर अपलोड कर सहभागिता प्रमाण-पत्र डाउन लोड किया जा सकेगा। जिलेवार चयनित विजेताओं को प्राणवायु अवार्ड से सम्मानित किया जायेगा, जिसके अंतर्गत मुख्यमंत्री द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किया जायेगा। सभी जिलों में होंगे नोडल अधिकारी और वेरिफायर-अंकुर कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए राज्य शासन द्वारा पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन (एपको) नोडल एजेंसी बनाया गया है। जिला कलेक्टर इस कार्य के लिए जिले के वरिष्ठ अधिकारी को जिला नोडल अधिकारी नियुक्त करेंगे। जिला नोडल अधिकारी द्वारा आवश्यकता अनुसार स्थानीय वेरिफायर का नामांकन कर "वायुदूत एप" में उनकी प्रविष्टि की जायेगी। कम्प्यूटराइज लाटरी द्वारा होगा विजेताओं का चयन-जिले में जन-अभियान परिषद के स्वयंसेवक, महाविद्यालयों के ईको क्लब प्रभारी तथा राष्ट्रीय हरित कोर योजना के मास्टर ट्रेनर में से वेरिफायर नामांकित किये जायेंगे। जिला स्तर पर कुल प्राप्त प्रविष्टियों का 10 प्रतिशत अथवा 200 जो भी कम हो का रैंडम आधार पर जिला स्तर पर वेरिफायर्स से सत्यापन कराया जायेगा। जिला स्तर पर कुल प्राप्त हुई प्रविष्टियों में से कम्प्यूटराइज लाटरी द्वारा विजेताओं का चयन किया जायेगा। विजेताओं की सूची वायुदूत एप में अपलोड की जायेगी।

मेडिकल कॉलेज से रविवार को 31 व्यक्ति डिस्चार्ज हुए

रतलाम। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रतलाम से स्वस्थ होकर रविवार को 31 व्यक्ति अपने घर लौटे। डिस्चार्ज होते समय इन लोगों ने कोविड के नियमों का पालन करने तथा अपने परिजनों को भी सभी नियमों का पालन कराने का संकल्प लिया। डिस्चार्ज हुए लोगों ने मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए वहां के स्टाफ को धन्यवाद दिया। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि आज मेडिकल कॉलेज में 21 नए मरीज भर्ती हुए। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आईसीयू बेड 56 सभी फुल है, एचडीयू में 172 बेड में 152 पर पेशेंट हैं। ऑक्सीजन बेड 180 में 85 पर पेशेंट हैं। नॉन ऑक्सीजन बैड 142 में से 12 पर पेशेंट भर्ती हैं। कुल 305 पेशेंट हॉस्पिटल में भर्ती है इनमें 229 पॉजीटिव है तथा शेष सस्पेक्टेड या ऑक्सीजन लेवल वाले हैं। हॉस्पिटल में रिक्त बेड 245 है।

आपदा प्रबंधन समितियों से कलेक्टर ने ऑनलाइन चर्चा कर जाने हाल

रतलाम » दबंग रिपोर्टर

जिले में कोरोना को लेकर जिले के हाटस्पाट ग्रामों की क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों से शनिवार शाम कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने वीसी के माध्यम से चर्चा कर संक्रमण की स्थिति को जाना। कलेक्टर ने कहा कि अभी की यह सख्ती भविष्य के लिए अच्छी है। एसपी गौरव तिवारी ने भी कहा कि सभी सहयोग से कोरोना पर नियंत्रण हुआ है। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत मीनाक्षी सिंह भी उपस्थित थी। चिन्हित हॉटस्पाट गांव बिलपांक, सरवन, पलसोड़ा, बिरमावल, शिवगढ़, बाजना, सेजावता, धोदीना, रावटी आदि स्थानों की कमेटियों से चर्चा में कलेक्टर ने पॉजिटिव मरीजों की संख्या, स्वस्थ हुए मरीज, कोरोना कर्फ्यू के पालन, कांटेक्ट ट्रेसिंग, बेरिकेडिंग की जानकारी लेकर निर्देश दिए कि कोरोना प्रोटोकाल का पूर्ण पालन करवाएं। वीसी में बताया गया कि पलसोड़ा गांव में 25 मरीज स्वस्थ हो गए व 16 शेष हैं। कलेक्टर द्वारा पलसोड़ा में पुनः सर्वेक्षण के निर्देश दिए गए। रत्तागढ़खेड़ा के 23 मरीजों में से 18 ठीक हो चुके हैं। सेजावता में 34 मरीज थे अब नौ मरीज हैं। रावटी में 90 में से 76 व कालूखेड़ा के 61 मरीजों में से 45 ठीक हो चुके हैं। सीसाखेड़ी में नौ पाजिटिव मरीज है, गांव में पिछले दो दिन से नया मरीज नहीं आया है। कलेक्टर ने सभी गांवों में गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करने के निर्देश देते हुए कहा कि हमें अगले आठ दिनों में संक्रमण पर शत प्रतिशत नियंत्रण पाना है। सभी पाजिटिव मरीजों के निगेटिव हो जाने पर संबंधित गांव में कैंप लगाकर टीकाकरण कराया जाएगा। ठोस प्रयास करें कि नए पाजिटिव नहीं मिलें।

जिन गांवों में अधिक मरीज वहां सख्ती से लॉकडाउन पालन कराने के दिए निर्देश

24/5/2021

कलेक्टर ने वीसी के माध्यम से हॉट स्पाट ग्रामों की आपदा प्रबंधन कमेटियों से चर्चा की

अभी की सख्ती भविष्य के लिए अच्छी-कलेक्टर

रतलाम ● स्वदेश समाचार

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने जिले के हॉटस्पॉट- ग्रामों की क्राइसेस मैनेजमेंट कमेटियों से कोरोना नियंत्रण के दृष्टिगत चर्चा की । वीसी के माध्यम से चर्चा में कलेक्टर ने कहा कि कोरोना प्रसार पर शत प्रतिशत नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा सख्त कदम उठाए गए हैं और अभी की यह सख्ती भविष्य के लिए अच्छी है जब प्रतिबंधों को खोलने की प्रक्रिया आरंभ होगी तब हम अन्य स्थानों से पीछे नहीं रहेंगे।

कलेक्टर द्वारा जिले के चिन्हित हॉटस्पॉट ग्रामों बिलपांक, सरवन, पलसोड़ा ,बिरमावल ,शिवगढ़ ,बाजना ,सेजावता, बोदीना ,रावटी आदि स्थानों की क्राइसेस मैनेजमेंट कमेटियों से चर्चा कर पॉजिटिव मरीजों की संख्या, स्वस्थ हुए मरीज, कोरोना कर्फ्यू के पालन, कांटेक्ट ट्रेसिंग, बैरिकेटिंग इत्यादि जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने निर्देशित किया कि कोरोना प्रोटोकॉल का पूर्ण पालन करवाएं अनुशासनहीन व्यक्तियों को समझाइश दें, मास्क लगाने ,सोशल डिस्टैंसिंग का पालन हो ,कलेक्टर ने कहा हमें आगामी 8 दिनों में शत प्रतिशत रूप से कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण पाना है ,शत प्रतिशत पॉजिटिव मरीजों के निगेटिव हो जाने पर संबंधित गांव में कैंप लगाकर टीकाकरण कराया जाएगा, क्राइसिस मैनेजमेंट

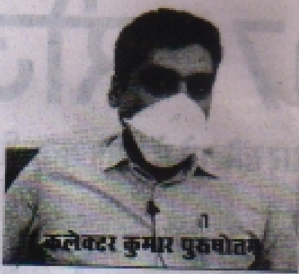

कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम

कमेटियां शत प्रतिशत व्यक्तियों का टीकाकरण करवाएं, टीकाकरण स्थायी हल है सभी लोगों के सहयोग से हमें जिले को कोरोना मुक्त करना है।

कलेक्टर ने क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटियों से कहा कि ठोस प्रयास करें ,नए पॉजिटिव मरीज नहीं हो। चर्चा में पलसोड़ा से बताया गया कि गांव में 25 मरीज अच्छे हो चुके हैं 16 शेष है कलेक्टर द्वारा पलसोड़ा में पुनः सर्वेक्षण के निर्देश दिए गए । रत्तागढ़ खेड़ा से बताया गया कि गांव के 23 मरीजों में से 18 ठीक हो चुके हैं । सेजावता में 34 मरीज थे अब 9 मरीज पॉजिटिव है । रावटी में 90 मरीज थे 76 ठीक हो चुके हैं । कालूखेड़ा के 61 मरीजों में से 45 ठीक हो चुके हैं । सीसा खेड़ी में 9 पॉजिटिव मरीज है गांव में पिछले 2 दिन से नया कोई मरीज नहीं आया है । अन्य स्थानों से भी जानकारी दी गई कलेक्टर द्वारा सभी ग्रामों में गाइडलाइन का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए । पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी ने भी कहा कि सब के सहयोग से कोरोना प्रसार पर नियंत्रण हुआ है हमें शत-प्रतिशत नियंत्रण की स्थिति हासिल करना है। संक्रमण पर नियंत्रण के लिए शासन के निर्देशों का पालन करवाएं इसके लिए लोगों को सतत् समझाइश देते रहें जो नहीं मानते हैं उनके लिए पुलिस का सहयोग लेवे संक्रमण प्रसार पर नियंत्रण गांव वालों के सहयोग से ही संभव है। सीईओ जिला पंचायत श्रीमती मीनाक्षी सिंह भी उपस्थित थीं।

संक्रमित मरीजों का सरकारी आंकड़ा घटा

जिले में संक्रमित मरीजों की संख्या अब निरंतर घटकर शनिवार को 110 रह गई है। अभी तक आए पॉजिटिव सैम्पलों की संख्या 16914 है। शनिवार को डिस्चार्ज किए गए मरीजों की संख्या 395 है। अभी भी 504 मरीजों की सैम्पल रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज से आना शेष है, जबकि भर्ती पॉजिटिव मरीजों की संख्या 2241 है। जिले में एक्टिव कंटेनमेंट एरियों की संख्या 2690 तथा अभी तक डिस्चार्ज किए गए मरीजों की संख्या 14382 है। अभी 1 लाख 55 हजार 296 कोरोना के संक्रमण संदिग्ध केस की जांच की जा चुकी है। शनिवार को 5 मरीजों की मृत्यु हो गई,जिन्हें मिलाकर मृतकों की संख्या 291 हो गई है।

तालाबंदी का उल्लंघन करने वाले 347 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई

जिले में तालाबंदी का उल्लंघन एवं नियमों की अनदेखी कर लोग मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं कर लोक स्वस्थ्य को खतरे में डाल रहे है। इस दिशा में कठोर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 9 व्यक्तियों, प्रतिष्ठानों के विरूद्ध धारा 188 आईपीसी के अंतर्गत कुल 9 आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। बेवजह घूमने वाले कुल 107 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर अस्थायी जेल में निरूद्ध किया गया। मास्क का उपयोग न करने वाले 144 व्यक्तियों से समन शुल्क वसूला। वहीं मोटर व्हीकल एक्ट के अंतर्गत 87 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई।

नगरीय क्षेत्र में 151 कंटेनमेंट झोन बनाए

ऐसे क्षेत्र जहां कोरोना संक्रमित मिल रहे है उस क्षेत्र को कंटेनमेंट झोन बनाया जा रहा है जिसके तहत अब तक 151 कंटेनमेंट झोन बनाए जा चुके है।

स्वदेश
24/5/21

46 दिन बाद नए मरीजों का आंकड़ा 100 से नीचे

सुधार : 82 नए पाजिटिव के सामने आए, लेकिन मौतें कम नहीं हुई

रहवासी क्षेत्र में सैनिटाइजेशन करते हुए निगम कर्मचारी। • नईदुनिया

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना की रोकथाम के लिए लगातार व्यवस्थाओं में सुधार किया जा रहा है। किल कोरोना अभियान के तहत जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। 14 दिनों से लगातार नए कोरोना मरीजों की संख्या घटने और स्वस्थ होने वालों की संख्या बढ़ रही है। 46 दिन बाद मरीजों का आंकड़ा 100 से नीचे आया है, लेकिन मौतें कम नहीं हुई हैं। गंभीर मरीजों को अस्पतालों में आसानी से बेड उपलब्ध हो पा रहे हैं।

मई माह के 23वें दिन रविवार को 82 नए पाजिटिव केस सामने आए। पांच की मौत हुई। 281 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। अब एक्टिव मरीजों की संख्या 2037 है। जिले में अब तक 16996 पाजिटिव केस सामने आ चुके हैं, वहीं 14663 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया जा चुका है। मौत का कुल आंकड़ा 296 पर पहुंच गया है।

कम नहीं हो रहा मौत का आंकड़ा

मरीजों की घटती संख्या और स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि से राहत है, लेकिन मौत का आंकड़ा कम नहीं होने से सभी की चिंता बढ़ी हुई है। मेडिकल कालेज में हर दिन चार-पांच मौतें हो रही हैं।

मेडिकल कालेज में 245 बेड रिक्त

शासकीय मेडिकल कालेज में रविवार 21 नए मरीज भर्ती और 31 मरीज डिस्चार्ज हुए। डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मेडिकल कालेज हास्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आइसीयू बेड 56 सभी फुल है। एचडीयू में 172 बेड में 152 पर पेशेंट हैं। आक्सीजन बेड 180 में 85 पर पेशेंट हैं।

नान आक्सीजन बेड 142 में से 12 पर पेशेंट भर्ती हैं। कुल 305 पेशेंट हास्पिटल में भर्ती हैं। इनमें 229 पाजिटिव तथा शेष सस्पेक्टेड या आक्सीजन लेवल वाले हैं। हास्पिटल में रिक्त बेड 245 है। रेमडेसिविर की स्थिति अनुसार टोटल रिसीव्ड 6906, डिस्ट्रीब्यूटेड 1557, कन्ज्यूम्ड 5255, करंट स्टाक 94 है।

शहर में 161 कंटेनमेंट जोन बनाए

कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए कलेक्टर व प्रशासक नगर निगम कुमार पुरुषोत्तम के निर्देशानुसार ऐसे क्षेत्र जहां कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं, उस क्षेत्र को कंटेनमेंट जोन बनाया जा रहा है। इसके तहत अब तक 139 कंटेनमेंट जोन बनाए जा चुके हैं। निगमायुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि कंटेनमेंट क्षेत्र के साथ शहर के अन्य स्थानों पर फायर लारी व ट्रैक्टर के माध्यम से सैनिटाइजेशन का कार्य किया जा रहा है।

36 मरीजों को मेडिसिन किट वितरित

ई-दक्ष केंद्र से रविवार को होम आइसोलेशन के मरीजों की सूची स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 58 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलों को वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्डवार गठित दलों द्वारा होम आइसोलेशन के मरीजों के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया। इसके तहत सूची अनुसार 36 मरीजों को मेडिकल किट का वितरण किया गया। चार मरीज उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती होना पाए गए। एक मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया। 15 मरीजों को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया। दो मरीज के कांटेक्ट नंबर व पते गलत पाए गए। इसके अलावा 88 मेडिसिन किट मरीज के स्वजनों को प्रदान की गई।

न्यूज गैलरी

पोलोग्राउंड आंबेडकर भवन में लगेगा फीवर क्लीनिक

रतलाम। जिला अस्पताल में संचालित हो रहे फीवर क्लीनिक को पोलोग्राउंड स्थित आंबेडकर भवन में शिफ्ट कर दिया गया है। सोमवार से अब कोरोना संक्रमण की जांच के लिए आंबेडकर भवन में ही सैंपल लिए जाएंगे। संक्रमण पर अंकुश लगाने के लिए ऐसा किया गया है।

कोविड प्रबंधन टीम एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का मानना है कि जिला अस्पताल में फीवर क्लीनिक होने से वे लोग भी संक्रमित हो रहे थे, जो किसी दूसरी बीमारी का इलाज कराने आते थे। साथ ही डाक्टर व अन्य स्वास्थ्य कर्मी में भी संक्रमण फैल रहा था। जिला अस्पताल के आरएमओ डा. योगेश नीखरा ने बताया कि कोविड प्रबंधन टीम के निर्देश पर जिला अस्पताल के फीवर क्लीनिक को शहर के आंबेडकर भवन में शिफ्ट किया गया है। यह स्थान शहर के बीचोंबीच स्थित है। यहां संक्रमण का खतरा कम रहेगा।

24/5/21

नईदुनिया

मंत्री यादव बोले: कोरोना की तीसरी लहर के लिए पूर्व से ठोस तैयारी रखी जाए

रतलाम। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री तथा जिले के कोविड-प्रभारी मंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को जिले के आलोट, ताल, बड़ावदा, खाराचाकला, जावरा क्षेत्र का भ्रमण करते हुए कोविड-19 के विरुद्ध क्रियान्वित

▶ बैठक में विधायकों ने दिए क्षेत्र के लिए सुझाव

रणनीति का जायजा लिया। उन्होंने बैठक लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान सांसद अनिल फिरोजिया, जावरा विधायक डा. राजेन्द्र पाण्डेय, राजेंद्रसिंह लुनेरा भी उपस्थित थे। जावरा में आयोजित बैठक से वीसी द्वारा रतलाम शहर विधायक चैतन्य काश्यप, ग्रामीण विधायक श्री दिलीप मकवाना भी जुड़े थे। मंत्री डा. यादव ने आलोट, ताल, जावरा में क्राइसिस मैनेजमेंट समितियों के सदस्यों से चर्चा की। कोरोना के विरुद्ध रणनीति में उनके सुझाव प्राप्त किए। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम, पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता, एसडीएम जावरा राहुल धोटे, रतलाम सभाकक्ष में गोविंद काकानी, वीरेंद्र पाटीदार, सीईओ जिला पंचायत मीनाक्षीसिंह, अपर कलेक्टर जमुना भिड़े, एसडीएम अभिषेक गहलोत तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मंत्री डा. यादव ने जिले में कोरोना के पॉजिटिव मरीजों की संख्या तथा पॉजिटिविटी रेट की जानकारी प्राप्त की। कलेक्टर ने बताया कि जिले में कोरोना संक्रमण प्रसार पर उल्लेखनीय नियंत्रण हुआ है, पॉजिटिविटी रेट कम होता जा रहा है। मंत्री डा. यादव ने निर्देश दिए कि यदि कोरोना की तीसरी लहर आती है तो उसके लिए पूर्व से ठोस तैयारी रखी जाए। बच्चों के उपचार के लिए सुनियोजित ढंग से प्रबंध रखे जाएं। ब्लैक फंगस उपचार की व्यवस्था में कोई कमी नहीं रहे। विधायक काश्यप ने कहा कि ब्लैक फंगस उपचार के लिए रतलाम मेडिकल कॉलेज में की जाने वाली व्यवस्थाओं के अलावा यह भी देखना होगा कि मरीजों की गहन चिकित्सा के लिए उच्च स्तरीय चिकित्सा की व्यवस्था किस स्थान से की जा सकती है। श्री काश्यप ने कहा कि यदि कोरोना की तीसरी लहर आती है तो उसके लिए पहले से ही हमें ऑक्सीजन बेड, ऑक्सीजन लाइन व्यवस्थाएं सुनियोजित ढंग से रखना है। जावरा विधायक ने कहा कि जावरा में मंगलवार तक ऑक्सीजन प्लांट चालू हो जाएगा। जावरा सिविल अस्पताल में नवजात बच्चों के वार्ड को एक्टिव किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा जावरा में सीटी स्कैन मशीन भी उपलब्ध होना चाहिए। इस संबंध में मंत्री डा. यादव ने प्रस्ताव शासन को भिजवाने के निर्देश दिए। विधायक दिलीप मकवाना ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन किया जाना चाहिए और ब्लैक फंगस के मरीजों के उपचार की सुनियोजित रणनीति तैयार होना चाहिए। वहीं गोविंद काकानी ने कहा कि टीकाकरण के सुनियोजित प्रबंध करने के साथ ही यदि बच्चे बीमार होते हैं तो वार्ड में बच्चे के साथ उनकी मां को भी रखा जाना चाहिए जिससे बच्चे शीघ्र स्वस्थ हो सकेंगे।

24/5/21

दो दिन बाद आज मिलेंगे फल, सब्जी के लिए अभी कोई व्यवस्था नहीं हुई

सब्जी मंडी बंद, फेरी वालों पर रोक, होम डिलेवरी नहीं हो रही

भास्कर संवाददाता | रतलाम

व्यक्ति बीमार हो या स्वस्थ उसके खाने में सब्जी और फल होना ही चाहिए। सामान्य सी बात की गंभीरता नहीं समझी जा रही है। शहरवासियों को अगर फल-सब्जी नहीं मिले तो उनकी इम्युनिटी कमजोर ही होगी।

कोरोना कर्फ्यू में कड़ाई सख्ती और ई-पास व्यवस्था के चलते रविवार को तीसरे दिन शहरवासी फल और सब्जी के बिना ही रहे। शहर में 31 मई तक सब्जियां नहीं आएगी। डॉक्टर, बीमारों को फल-सब्जी खाने की सलाह दे रहे हैं। ऐसे में शहरवासी क्या खाएं इसका डाइट चार्ट बनाकर तक प्रशासन जारी नहीं कर पाया है।

जिला प्रशासन ना खुद सब्जी की होम

दो दिन बाद आज मिलेंगे फल

सब्जी तो नहीं मिल रही, लेकिन दो दिन बाद आज फल जरूर मिलेंगे। सब्जी वितरण की व्यवस्था भले प्रशासन नहीं कर पाया है, लेकिन फल वितरण की व्यवस्था कर रखी है। व्यापारी तय कर रखे हैं जो वाहनों के जरिए शहर में फल बेचते हैं। जिला प्रशासन ने फल बेचने के लिए सोमवार, बुधवार और शुक्रवार का दिन तय कर रखा है। इससे आज फल मिल जाएंगे।

है। इसके बाद भी लोगों में ज्यादा विरोध नहीं था क्योंकि आसपास के गांवों से ग्रामीण और फुटकर सब्जी विक्रेता पहले चोरी-छिपे शहर आकर सब्जी बेच जाते थे। तीन दिन से सख्ती बढ़ने से ये अब सब्जी बेचने नहीं आ रहे हैं

मुख्यमंत्री ने की नर्मदापुरम संभाग में कोविड की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा

प्रदेश में 1 जून से क्रमबद्ध रूप से हटेगा कोरोना कर्फ्यू- शिवराज

होशंगाबाद ● 23 मई (ब्यूरो) मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थित नियंत्रण में है। प्रदेश में एक जून से क्रमबद्ध रूप से कोरोना कर्फ्यू को हटाया जाएगा। नर्मदापुरम संभाग को 31 मई तक कोरोनामुक्त किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज यहां जिले के एनआईसी कक्ष में नर्मदापुरम संभाग के तीनों जिले बैतूल, हरदा और होशंगाबाद में कोविड की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आ गई है। सभी के समन्वित प्रयासों से यह संभव हो पाया है। कोरोना की जड़ों पर अंतिम प्रहार कर ग्राम, वार्ड, पंचायत और पूरे जिले को 31 मई तक कोरोनामुक्त करें। कोरोना कर्फ्यू का कड़ाई से पालन किया जाए। शादी समारोह आदि भीड़भाड़ वाले आयोजन 31 मई तक टालें। प्रत्येक कोरोना पीड़ित परिवार की हरसम्भव मदद सरकार करेगी।

श्री चौहान ने कहा कि अधिक संक्रमण वाले ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में माइक्रो कंटेनमेंट जोन बनाया जाए। ऐसे क्षेत्रों में प्रशासन पूरी ताकत से सर्दी, खांसी एवं बुखार के मरीजों की पहचान कर तत्काल मेडिकल किट उपलब्ध कराकर इलाज कराये। इस कार्य में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप सक्रिय भूमिका निभाएं। संक्रमित व्यक्तियों के लिए होम आइसोलेशन की व्यवस्था परफेक्ट हो। घरों में पर्याप्त स्थान न होने की दशा में कोविड केयर सेंटर में भर्ती किया जाए। सेनिटाईजेशन कार्य निरंतर जारी रखें।

ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग करें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आक्रामक टेस्टिंग रणनीति अपनाई जाकर ज्यादा से ज्यादा टेस्टिंग कार्य किया जाए। क्षेत्रवार रणनीति अपनाई जाकर मोबाइल टेस्टिंग भी की जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 1-1 मरीजों की जान बचाने के लिए पूरे प्रयास किए जाएं। वेंटीलेटर, ऑक्सीजन बेड्स में भर्ती प्रत्येक मरीज की सघन मॉनिटरिंग करें।

महाराष्ट्र की बॉर्डर सील रखें

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि महाराष्ट्र एवं अन्य राज्यों से कोरोना संक्रमण के बढ़ने का खतरा अधिक है। महाराष्ट्र की बॉर्डर को पूरी तरह सील रखें। इटारसी रेलवे स्टेशन पर भी टीम नियोजित रहे, जिनके द्वारा स्टेशन पर बाहर से आने वाले नागरिकों की सघन स्क्रीनिंग की जाए।

स्वदेश
24/5/2021

सच भी देखो सरकार... सीटी स्कैन की रिपोर्ट को आधार नहीं मानते; जबकि सरकार कहती है- आरटीपीसीआर, एंटीजन की प्रमाणिकता 100% नहीं

500 मरीजों का कोरोना इलाज चला, अंतिम संस्कार प्रोटोकॉल से लेकिन कोरोना से 204 को ही मृत माना

- कोरोना से मृत लोगों के परिजन को 1-1 लाख देने की योजना लेकिन रिकॉर्ड में जो पॉजिटिव उन्हें ही लाभ मिलेगा
- जिनकी मौत कोविड के लक्षणों के साथ हुई लेकिन रिकॉर्ड में नहीं, कुछ मामलों में मृतकों की भी दो-दो रिपोर्ट ये उलझन में

भास्कर संवाददाता | रतलाम

तबीयत बिगड़ी... ऑक्सीजन लेवल कम था, सीटी स्कैन करवाया तो लंग्स इंफेक्शन निकला... हॉस्पिटल में इलाज चला, जांच हुई लेकिन रिपोर्ट निगेटिव थी। डॉक्टर ने कोविड का दावा किया... रेमडेसिविर इंजेक्शन का ट्रीटमेंट दिया। हालांकि जान नहीं बच सकी। कहीं कोविड प्रोटोकॉल से तो कहीं, सामान्य तौर पर अंतिम संस्कार हो गया। ऐसा कोई एक केस नहीं है... बल्कि रतलाम में ही सैकड़ों मामले मिल जाएंगे। हालांकि, सरकारी रिकॉर्ड में ये कोरोना पॉजिटिव नहीं हैं।

अब तक इन केस को सरकारी रिकॉर्ड में होने या ना होने से फर्क नहीं पड़ रहा था लेकिन अब फर्क पड़ेगा। क्योंकि मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कोविड से मृत परिजन को 1-1 लाख रुपए देने की घोषणा की है। हालांकि सरकार उन लोगों को ही लाभ देगी जो सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज है। ऐसे में बड़ा सवाल उठने लगा है कि... जिनको सभी लक्षण होने के बाद भी रिपोर्ट निगेटिव थी, उनका क्या? जबकि सरकारी पैमाना आरटीपीसीआर या एंटीजन टेस्ट से पॉजिटिव आए लोगों को पात्र मान रहा है जबकि एंटीजन 60 प्रतिशत तो वहीं, आरटीपीसीआर 70 प्रतिशत तक ही सटीक रहती है।

कोरोना काल में जिन्होंने अपनों को खोया वे बोले : नियमों के नाम पर मजाक न हो

53 साल... 80% फेफड़े खराब, रेमडेसिविर नहीं मिला, मौत, रिपोर्ट निगेटिव

मामला एक

सिलावटों का वास निवासी जकीउद्दीन शाकिर की 2 मई को मौत हो गई थी। डॉ. जीतमल अस्पताल हॉस्पिटल एंड नर्सिंग होम में उनका इलाज चल रहा था। उनका सीटी स्कोर 25 में से 20 था। एसपीओ2 80 प्रतिशत पर बना हुआ था, 10 लीटर ऑक्सीजन पर थे। स्पष्ट था कि कोविड है, ऐसे में रेमडेसिविर का ट्रीटमेंट भी चला, परिजन एक-एक इंजेक्शन के लिए खूब परेशान हुए। आखिरी में जकीउद्दीन ने दम तोड़ दिया। उनकी रिपोर्ट भी निगेटिव ही थी।

प्रामाणिकता ऐसी... एक व्यक्ति की दो रिपोर्ट... एक निगेटिव, दूसरी पॉजिटिव

मामला दो

27 मार्च को हनुमान रुंडी निवासी कनकमल बोथरा 73 का निधन हो गया था। उन्हें 24 मार्च को मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया। 24 मार्च को ही सुबह 11.55 बजे उनका कोविड टेस्ट हुआ था, इसकी रिपोर्ट 25 मार्च को निगेटिव मिली। इधर, निगेटिव रिपोर्ट के बाद भी अस्पताल प्रबंधन ने दोबारा जांच की। 25 मार्च को 10.16 बजे दूसरा सैंपल लिया गया। इसकी रिपोर्ट 27 मार्च को पता चली जो पॉजिटिव थी। 26 व 27 की दरमियान रात में कनकमल बोथरा की मौत हो गई थी।

40% लंग्स इंफेक्शन... 40 तक आ गया ऑक्सीजन लेवल, रिपोर्ट निगेटिव

मामला तीन

नाहरपुरा के 46 साल के एक व्यक्ति ने 30 अप्रैल को दम तोड़ा। ये व्यापारी थे, दो छोटे बच्चे हैं। सीटी स्कैन में इनके लंग्स में 35 से 40% तक इंफेक्शन मिला था। रतलाम के निजी अस्पताल में इनका इलाज हो रहा था, यहां से बेहतर इलाज के लिए परिवार इंदौर ले गए। इंदौर जाने से पहले आरटीपीसीआर जांच करवाई, इसमें यह व्यक्ति निगेटिव निकले। हालांकि, इनकी मौत हो गई।

रतलाम में 1 अप्रैल से अब तक मेडिकल कॉलेज में 500 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं

- सरकारी रिकॉर्ड में 1 मार्च से 30 अप्रैल तक 112 मौत कोरोना से मानी है। 265 अंतिम संस्कार प्रोटोकॉल से हो चुके हैं।
- ये आंकड़े रतलाम के मेडिकल कॉलेज और मुक्तिधाम के हैं। कई की लक्षणों के चलते मौत हुई है लेकिन रिकॉर्ड में नहीं हैं।
- 1 अप्रैल से अब तक मेडिकल कॉलेज में ही 500 से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। इनमें अन्य जिलों के लोग भी शामिल हैं।
- 1 मार्च से 21 मई तक जिले में 204 लोग रिकॉर्ड में कोरोना से अपनी जान गंवा चुके हैं।

ठीक होने के बाद कार्डियक अरेस्ट, ब्लैक फंगस से मौत तो भी लाभ नहीं

सरकार ने कोरोना से जान गंवाने वाले और सरकारी कर्मचारियों के लिए तीन घोषणाएं की हैं। मुख्यमंत्री कोविड जनकल्याण, कोरोना योद्धा और मुख्यमंत्री कोविड विशेष अनुग्रह योजना। तीनों में किसे लाभ मिलेगा, यह स्पष्ट हो गया है। कोरोना से रिकवर होने के बाद ब्लैक फंगस, हार्ट अटैक, लंग्स इंफेक्शन, फाइब्रोसिस से मौत होती है तो ये इसमें नहीं आएंगे। सरकारी रिकॉर्ड में प्रदेश में कोरोना से सिर्फ 7277 लोगों की जान गई है, उन्हें इसका लाभ मिलेगा। विशेष अनुग्रह योजना में ऐसे कर्मचारी जिसकी कोविड से 60 दिन में बीमारी से जान जाती है तो 5 लाख रुपए मिलेंगे।

60%

मामलों में कोरोना के लिए प्रामाणिक एचआरसीटी को लिया है इसकी सलाह डॉक्टर भी देते हैं। इससे सीधे तौर पर पता चलता है कि लंग्स में कितना इंफेक्शन है। इस आधार पर जल्द इलाज शुरू होता है। एचआरसीटीम में कोविड इंफेक्शन बता दिया जाता है। ऐसे सैकड़ों मामले हैं जिनमें रिपोर्ट निगेटिव होने पर एचआरसीटी से इलाज हुआ।

एक्सपर्ट व्यू

कोविड प्रोफाइल, एचआरसीटी, एंटीजन, आरटीपीसीआर सभी को मान्य किया जाना चाहिए

मरीज में संक्रमण का पता करने के लिए कोविड प्रोफाइल, एचआरसीटी, एंटीजन, आरटीपीसीआर किया जाता है। कई मामले ऐसे आते हैं जिसमें आरटीपीसीआर और एंटीजन टेस्ट निगेटिव रहता है लेकिन मरीज में कोविड के ही लक्षण रहते हैं। एचआरसीटी में मिले इंफेक्शन के आधार पर मरीज का इलाज किया जाता है। कुछ मामले ऐसे भी होते हैं जिसमें 15 या 20 दिन बाद रिपोर्ट निगेटिव होती है लेकिन संक्रमण के प्रभाव के कारण मौत हो जाती है। इसमें हार्टअटैक अहम है। सरकारी अस्पताल, सीटी स्कैन सेंटर और पैथोलॉजी लैब से इसके आंकड़े जुटा सकती है। सरकार को इस ओर ध्यान देना होगा। जिलेवार समिति बन सकती है। लाभ सभी को मिलना चाहिए, जिनकी मौत कोविड से हुई है।

डॉ. राजेश शर्मा,
निजी कोविड अस्पताल, संचालक

मुक्तिधामों में अंतिम संस्कार की संख्या घटकर अब पांच-छह हुई

एक माह पहले तक रोज 20-22 लोगों के हो रहे थे अंतिम संस्कार

शहर में कोरोना संक्रमितों के साथ अंतिम संस्कार भी घट रहे हैं, अन्य मुक्तिधामों के साथ ही भक्तन की बावड़ी जहां कोविड अंतिम संस्कार होते है वहां भी अंतिम संस्कार कम हुए

कई दिनों बाद त्रिवेणी मुक्तिधाम पर दोपहर तक अंतिम संस्कार नहीं हुआ

भास्कर संवाददाता | रतलाम

कोरोना संक्रमण की घटती दर के बीच एक और राहत की खबर आई है। वह यह है कि मुक्तिधामों में अंतिम संस्कार की संख्या चार से पांच गुना तक कम हो गई है। पहले जहां शहर के मुक्तिधामों में 30 से 35 लोगों का अंतिम संस्कार रोज हो रहा था। अब इसकी संख्या घटकर रोज 8 तक सिमट गई है।

रविवार को शहर के मुक्तिधामों के आंकड़ों की बात करें तो इस दिन तीनों मुक्तिधामों को मिलाकर 8 लोगों का ही अंतिम संस्कार हुआ है। इसमें कोविड संक्रमितों के 6 अंतिम संस्कार भक्तन की बावड़ी में हुए है। वहीं त्रिवेणी मुक्तिधाम और जवाहरनगर मुक्तिधामों में यह संख्या 1-1 रही है। ऐसा लंबे समय बाद हुआ है जब इतनी कम संख्या में अंतिम संस्कार हुए हैं। जबकि एक महीने पहले यह संख्या 30 से 35 रोज थी। यानी मुक्तिधामों के आंकड़ों में भी कोरोना संक्रमितों की संख्या कम हो रही है।

ऐसे घट रही मुक्तिधामों में अंतिम संस्कार की संख्या

मुक्तिधाम	पहले	अब
त्रिवेणी मुक्तिधाम	10	01
जवाहरनगर मुक्तिधाम	06	01
भक्तन की बावड़ी	20	06

(नोट- जानकारी मुक्तिधाम के अनुसार और एक महीने पहले 23 अप्रैल की है।)

लंबे समय बाद शहर के प्रमुख मुक्तिधाम त्रिवेणी मुक्तिधाम खाली नजर आया।

स्वर्ग रथ यात्रा वाहन के लिए रविवार को एक भी कॉल नहीं आया

वाघेला जीव दया समिति के दिनेश वाघेला ने बताया जब से समिति द्वारा वाहन संचालित किया जा रहा है तब से रविवार को यह पहला मौका रहा जब एक भी कॉल अंतिम यात्रा के लिए नहीं आया है। नहीं तो पहले 6 से 8 कॉल रोज आ रहे थे। लंबे समय बाद अच्छा लगा।

लंबे समय बाद हमें भी आराम मिला

भक्तन की बावड़ी मुक्तिधाम समिति के रामसिंह भाटी ने बताया रविवार को 6 लोगों का अंतिम संस्कार हुआ है। एक महीने पहले तक तो यह स्थिति थी कि रोज 20 लोगों का अंतिम संस्कार होता था। इससे लंबे समय बाद कर्मचारियों को भी आराम मिला है। जवाहरनगर मुक्तिधाम के प्रेम मांडला ने बताया रविवार को एक ही अंतिम संस्कार हुआ है। जबकि पहले कभी 6 तो कभी 8 तक अंतिम संस्कार रोज होते थे। लंबे समय बाद यह स्थिति बनी है। जब एक अंतिम संस्कार हुआ है। इससे लंबे समय बाद थोड़ा आराम मिला है। सिंधी सेवा समिति के राजू मलकानी ने बताया पहली बार अच्छा लगा कि शव वाहन के लिए एक भी कॉल नहीं आया।

दै. भास्कर
24/5/21

नगरीय क्षेत्र में 161 कनटेंनमेंट झोन बनाये

रतलाम। कोविड-19 कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम श्री कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार ऐसे क्षेत्र जहां कोरोना संक्रमित मिल रहे है उस क्षेत्र को कनटेनमेंट झोन बनाया जा रहा है जिसके तहत अब तक 139 कनटेंनमेंट झोन बनाये जा चुके है।

निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशन में 11 से 23 मई तक टाटा नगर में 2, तेजा नगर में 2, ओझाखाली, प्रताप नगर, प्रताप नगर एक्टेंशन, प्रताप नगर एक्टेंशन में मकान नम्बर 5, 19 व 30, ऑफिसर्स कॉलोनी, बालाजी नगर, धानमंडी बाजार, वकील कालोनी, ब्राम्हणों का वास, वेदव्यास कालोनी में 4, गुलमोहर कॉलोनी, देवादेव नारायण नगर, जवाहर नगर, डोंगरे नगर, मोहन नगर, अलकापुरी अम्बे चौक के पास, आदर्श नगर गली नम्बर 3, सुनाना ड्रीम होम्स सुमंगल गार्डन के पास, कस्तुरबा नगर मुख्य मार्ग पर 2, दीनदयाल नगर मुख्य मार्ग, दीनदयाल नगर मकान नम्बर 38 व 196, दीनदयाल नगर राधा-कृष्ण स्कूल के पास, शास्त्री नगर में 2, राजपूत बोर्डिंग के पास 2, महेश नगर, सनसिटी कॉलोनी, दीनदयाल नगर सी सेक्टर में 1 व जी सेक्टर में 2, धीरजशाह नगर गली नम्बर 4 में 1 व गली नम्बर 5 में 2, सिलावटो का वास, कस्तुरबा नगर पीएण्डटी कॉलोनी, अम्बिका नगर, राजीव नगर, सुयोग परिसर, धानमंडी बाजार, वेदव्यास कालोनी अभिलाषा अपार्टमेन्ट, खटीक मोहल्ला, दीनदयाल नगर डी सेक्टर, तेजा नगर गली नम्बर 4, नेमीनाथ नगर, गौशाला रोड, सुनारो का वास, जवाहर नगर, जनता नगर, अलकापुरी, भोयरा बावडी, ताहेरपुरा, अलकापुरी मुख्य मार्ग, कस्तुरबा नगर सांवरिया रसोई के पास, जवाहर नगर, नागेश्वरी कॉलोनी, नेमीनाथ नगर, दीनदयाल नगर बी सेक्टर, तेजा नगर गली नम्बर 4 आदर्श गुरू कल्याण नगर, रिद्धी-सिद्धी कालोनी, सिद्धांचलम एक्सटेंशन,

कन्टेनमेंट क्षेत्रों में किया जा रहा है सेनेटाईजेशन का कार्य

रतलाम। कोविड-19 (कोरोना वायरस) के फैलाव को रोकने हेतु जिला कलेक्टर कुमार पुरूषोत्तम के निर्देशानुसार नगर के विभिन्न क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मरीज पाये जाने पर बनाये गये कन्टेनमेंट क्षेत्रों में फायर लॉरी, ट्रेक्टर ट्रॉली व हैण्ड स्प्रे मशीन से सेनेटाईजेशन किया जा रहा है।

निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि नगर के विभिन्न क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मरीज पाये जाने पर बनाये गये विभिन्न कन्टेनमेंट क्षेत्रों में फायर लॉरी, ट्रेक्टर ट्रॉली व हैण्ड स्प्रे मशीन से 161 कन्टेनमेंट क्षेत्रों में नियमित रूप से पानी में 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर सेनेटाईजेशन का कार्य झोन अनुसार नगर निगम के कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है ताकि कोविड-19 (कोरोना वायरस) के फैलाव को रोका जा सकें।

24/5/21 इन्दौर समाचार

लॉकडाउन में दुकाने खोलने वाले और कंटेंटमेंट नियमों का उल्लंघन करने वाले 10 लोगो के ख़िलाफ़ प्रकरण दर्ज

रतलाम। जिले में कोरोना के कहर को देखते हुए प्रशासन जिले में लॉकडाउन को पहले के मुकाबले कुछ सख्त कर दिया है। बावजूद कई क्षेत्रों से दुकानदारों के द्वारा लॉक डाउन के नियमो की अनदेखी की लापरवाही सामने आ रही है। बीते 24 घंटो में जिले के चार थानों में 10 लोगो के खिलाफ प्रकरण दर्ज हो चुके है।

जानकारी के अनुसार जिले में प्रशासन द्वारा शनिवार से लॉक डाउन को पहले के मुकाबले कुछ सख्त कर दिया गया है। सख्ती बावजूद जिले के सैलाना थाना क्षेत्र अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक दुकान के संचालक विक्रम पाटीदार, हार्डवेयर की दुकान के संचालक हुसैन अली, गुरु कृपा के संचालक श्याम दास, हार्डवेयर दुकान के संचालक सैफुद्दीन हसन अली, जनरल स्टोर के संचालक मुर्तुजा तथा स्टेशन रोड थाना क्षेत्र अंतर्गत सर्वानंद बाजार के संचालक राज त्रिलोकनदानी और मटन का विक्रय करने वाले नाहरू और मुना कुरैशी के खिलाफ 188,269,270 भादवि व 51 बी आपदा प्रबंध 2005 के तहत मामले दर्ज किये है। औद्योगिक थाना क्षेत्र अंतर्गत कंटेंटमेंट क्षेत्र से बाहर निकलने वाले अनिल अग्रवाल तथा बिलपांक थाना क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मी पाटीदार के कंटेंटमेंट घर के बाहर लगी कंटेंटमेंट एरिये का स्टीकर व मेटी हटाने पर पटवारी उषा डामर की शिकायत पर पुलिस ने लक्ष्मी पति ओमप्रकाश पाटीदार तथा ईश्वरलाल पिता आत्माराम जाट के खिलाफ धारा 188 तथा 51 आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्यवाही की। इन्दौर समाचार

होम आईसोलेशन मरीजों को मेडिसिन किट का वितरण

रतलाम। कोविड-19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजो को मेडिसिन किट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा वार्ड वार गठित दलों द्वारा मरीजो के घर जाकर मेडिकल किट प्रदान की।

ई-दक्ष केन्द्र रतलाम से 23 मई को होम आईसोलेशन के मरीजो की सूची स्वास्थ्य अधिकारी श्री ए.पी. सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 58 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई व कन्ट्रोल रूम से 6 मेडिसिन किट। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलो वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। जिसे अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलो वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई।

वार्ड वार गठित दलो द्वारा होम आईसोलेशन के मरीजो के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया जिसके तहत सूची अनुसार 36 मरीजो को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया। 4 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया, 1 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया व 15 मरीजो को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया तथा 2 मरीज का कान्टेक्ट नम्बर व पता गलत पाया गया। इसके अलावा 88 मेडिसीन किट मरीज के परिजनों को प्रदान की गई। इन्दौर समाचार

बच्चों व ब्लैक फंगस के इलाज में कमी नहीं रहना चाहिए, सख्ती से कर्फ्यू का पालन करवाएं, तीसरी लहर के लिए तैयारियां रखें

जिला कोविड प्रभारी मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा जिस गांव में 10 मरीज वहां के लिए प्लान बनाएं

भास्कर संवाददाता | रतलाम

कोरोना की तीसरी लहर के लिए ठोस तैयारी रखी जाएं। बच्चों और ब्लैक फंगस के उपचार में कोई कमी नहीं रहना चाहिए। ऐसे गांव जिनमें 10 से ज्यादा मरीज हैं उनके लिए विशेष रणनीति बनाकर रोकथाम करें।

सरकारी अमले को यह बात रविवार को प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री और जिला कोविड प्रभारी डॉ. मोहन यादव ने कही। डॉ. यादव ने आलोट, ताल, बड़ावदा क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए जावरा में अमले की बैठक लेकर जिले में कोरोना की स्थिति का अपडेट लिया। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने बताया जिले का पॉजिटिविटी रेट लगातार कम हो रहा है। डॉ. यादव ने कोरोना नियंत्रण को लेकर उठाए गए प्रभावी कदमों के बारे में पूछताछ की। अफसरों को अमल करने के संबंध में निर्देश दिए। सांसद अनिल फिरोजिया, जावरा विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय प्रत्यक्ष, जबकि रतलाम विधायक चैतन्य काश्यप, ग्रामीण विधायक दिलीप मकवाना वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए। पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता मौजूद रहे। डॉ. यादव ने आलोट क्षेत्र के खारवांकला में कोविड-19 सेंटर का निरीक्षण किया। ताल में स्थानीय क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी से चर्चा की। बड़ावदा में सांसद ने चिकित्सालय के लिए पांच ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मशीनें उपलब्ध करवाई। सांसद फिरोजिया ने भी ताल अस्पताल को अपग्रेड करने की बात भी कही। पूर्व विधायक जितेंद्र गहलोत ने बड़ावदा को एंबुलेंस देने की मांग उठाई।

ब्लैक फंगस मरीजों की गहन चिकित्सा व्यवस्था की जरूरत : काश्यप

वीसी के माध्यम से जुड़े विधायक चेतन्य काश्यप ने कहा ब्लैक फंगस उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज में की जाने वाली व्यवस्थाओं के साथ मरीजों की गहन चिकित्सा के लिए उच्च स्तरीय चिकित्सा व्यवस्था किस स्थान से की जा सकती है। यह देखना होगा। संभाग मुख्यालय पर व्यवस्था की जाना आवश्यक है, जिससे संभाग के सभी जिलों के मरीजों का उपचार संभव होगा। कोरोना कर्फ्यू खोले जाने के पहले व्यापार, मंडी में किसानों की आवक, फर्टिलाइजर की आपूर्ति तथा अन्य तथ्यों बिंदुओं पर विचार किया जाना चाहिए। मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में सिटी स्कैन मशीन जल्द आ जाएगी। सांसद अनिल फिरोजिया ने ब्लैक फंगस के उपचार के लिए संभाग मुख्यालय पर व्यवस्थाएं करने की बात कही। जावरा विधायक डॉ. राजेंद्र पांडे ने बताया मंगलवार तक ऑक्सीजन प्लांट चालू हो जाएगा। नवजात बच्चों के वार्ड को एक्टिव किया जाना आवश्यक है। सीटी स्कैन मशीन की जरूरत है। ग्रामीण विधायक दिलीप मकवाना ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन करने की जरूरत बताई।

जावरा में हुई बैठक में वीसी के माध्यम से रतलाम विधायक काश्यप से बात करते मंत्री डॉ. यादव।

दै. भास्कर

जिला प्रशासन को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि राजस्व कॉलोनी में सैनिटाइजर किया जाए

रतलाम । शहर के बीचो बीच स्थित राजस्व कॉलोनी में इस वर्ष कोरोना महामारी से सबसे ज्यादा जनहानि हुई है साथ ही वर्तमान समय तक नियमित एक न एक मरीज कॉलोनी से ग्रस्त हो रहा है। राजस्व कर्मचारी गृह निर्माण समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा, उपाध्यक्ष नरेन्द्र सिंह राठौड़ ने जिला प्रशासन को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि महामारी के प्रभाव से ग्रस्त कॉलोनी का संपूर्ण सैनिटाइजर किया जाए एवं नालियों की साफ सफाई नियमित की जावे। जिससे रहवासियों को सुकून और राहत मिल सके महामारी से उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है । पूर्व में भी नगर निगम प्रशासन को कई बार समिति द्वारा आग्रह करने के पश्चात भी आज तक कोई सुध लेने वाला नहीं है ।

24-5

जो परिवार रहता नहीं उसके घर कोविड पोस्टर लगा दिया

भास्कर संवाददाता | रतलाम

मोहन टॉकीज क्षेत्र में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने संतोष पिता माणकलाल वोरा के घर पर होम क्वारेंटाइन का पोस्टर लगाया है। इस पर लिखा है कि इस घर से दूरी बनाकर रखें। वोरा परिवार यहां डेढ़ साल से नहीं रह रहा है।

प्रशासन की टीम यहां आई और बगैर सोचे समझे पोस्टर लगाकर लौट गई। क्षेत्र के कैलाश अग्रवाल ने बताया जहां पोस्टर लगाया है उस घर में परिवार नहीं रहता है। इसके बाद भी बगैर देखे टीम आई पोस्टर लगाकर चली गई। जबकि जहां परिवार रहता है वहां टीम को जाकर पोस्टर लगाना चाहिए। संजय चोपड़ा ने बताया संक्रमित जिस घर में रहते हैं वहां पोस्टर लगाना चाहिए। कई लोग अपने गलत पते लिखवा रहे हैं जिससे ऐसी स्थिति बन रही है।

24/5/21

शहर के 7 बड़े नालों में युद्धस्तर पर चलाया अभियान

नालों में बगैर मास्क उतर रहे सफाईकर्मी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. वर्षा की शुरुआत के पूर्व नगर के समस्त नाले-नालियों की सफाई करने का कार्य निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा दिए गए निर्देश के तहत निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रारंभ कर दिया गया है। इसके साथ ही नालो की सफाई उपरान्त कीटनाशक दवा का छिड़काव भी किया जा रहा है। शहर के सात बड़े नालों में कर्मचारी बगैर मास्क लगाए काम कर रहे हैं। ऐसे में इनके स्वास्थ्य के प्रति नगर निगम की बेरुखी सामने आई है। इन कर्मचारियों का कहना है कि निगम की तरफ से उनको कोई संसाधन बचाव के लिए नहीं दिए गए हैं।

निगम आयुक्त झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा पेपर मिल के पास गुलमोहर कॉलोनी के पास, तेजा नगर ब्लॉक नम्बर 1, गौशाला रोड नागेश्वर व्यायामशाला के पास, इन्द्रलोक नगर मार्निंग स्टार स्कूल के पीछे, गोमदड़े की पुल, ओझाखाली व राजेन्द्र नगर नाले की सफाई का कार्य स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह के निर्देशन में किया गया व सफाई उपरान्त नालों व नालियों में कैरोसिक व ब्लीचिंग कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया।

संसाधन का अभाव

नालों पर काम करने वाले कर्मचारियों का कहना है कि उनको निगम से कोई संसाधन नहीं दिया गया है। मास्क से लेकर सैनिटाईजर का अभाव उनके पास है। इसके बाद भी वे नालों में उतरकर काम कर रहे है। इन नालों में भी पहले से प्रयोग किए गए मास्क से लेकर अन्य कचरा निकल रहा है। निगम के कर्मचारी संगठन के नेता राम कल्याणे के अनुसार संगठन द्वारा संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

निगम में कमी नहीं है संसाधन की

निगम में किसी भी प्रकार के संसाधन की कमी नहीं है। मास्क से लेकर सैनिटाईजर दिया जा रहा है। अगर किसी के पास इसकी कमी है तो वो मांग सकता है। - **एपीसिंह**, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी, नगर निगम

24/5/21 पत्रिका

फेफड़ों का संक्रमण रोकने में मददगार प्राणवायु औषधि की 500 बोतलें दीं

मेडिकल कॉलेज को मदद का दिया भरोसा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

मेडिकल कॉलेज को कोरोना से बचाव के लिए प्राणवायु औषधि की 500 बोतल आयुर्वेदाचार्य चंदनमल घोटा द्वारा प्रदान की। इस प्राणवायु औषधि से ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है एवं भाप द्वारा लेने पर फेफड़ों में जमा हुआ कफ पिघल कर बाहर आता है। इसे लौंग का तेल, दालचीनी का तेल, बादाम का तेल, इलायची का तेल, जावित्री का तेल, कपूर, अजवाइन एवं पिपरमेंट से तैयार किया है। इसे मेडिकल कॉलेज के डीन जितेंद्र गुप्ता को प्रदान किया।

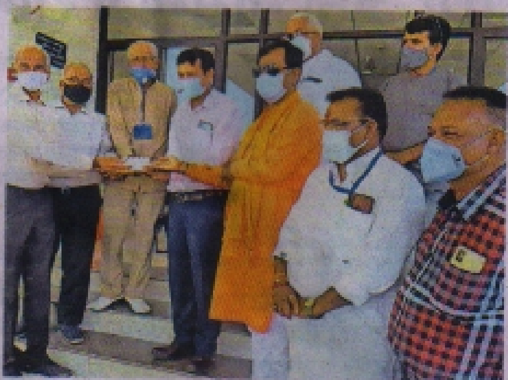

डीन को बोतल प्रदान करते हुए।

इस मौके पर मानव सेवा समिति अध्यक्ष मोहनलाल मुरलीवाला, सुरेंद्र सुरेका, प्रदीप उपाध्याय, पवन सोमानी, मंगल कुमार फिरोदिया, कॉन्ट्रेक्टर सुशील गोरेचा, विशाल कुमार वर्मा, प्रेम पुनिया सहित अन्य मौजूद थे।

दै. भास्कर